

जागु ग्यारस की रातों में तेरा ज़िक्र मेरी सब बातों में



जागु ग्यारस की रातों में,
तेरा ज़िक्र मेरी सब बातों में,
फिर भी वो लकीर नहीं मिटती,
जो खींच दी तूने हाथों में,
मेरे घर की हालत देख श्याम,
कभी आकर तू बरसातों में,
मेरे घर की हालत देख श्याम,
कभी आकर तू बरसातों में।

हर साल ये विपदा आती है,
हर बार ये घर ढह जाता है,
तस्वीर तेरी रह जाती है,
बाकी सब कुछ बह जाता है,
हम तुझे छुपा लेते हैं श्याम,
इन टूटे फूटे जाको में,
मेरे घर की हालत देख श्याम,
कभी आकर तू बरसातों में।

सिर पे है घटाओ की चादर,
धरती की सेज बिछाते है,
तेरा नाम लेकर ही बच्चे,
भूखें ही सो जाते है,
तेरी ज्योत जगानी ना छोड़ी,
ऐसे भी हालातों में,
मेरे घर की हालत देख श्याम,
कभी आकर तू बरसातों में।

कोई और दुआ न मांगी है,
माँगा है बस प्यार तेरा,
तू मालिक सारी दुनिया का,
दर दर भटके परिवार तेरा,
हमको तो ताने देते है,
जग वाले बातों बातों में,
मेरे घर की हालत देख श्याम,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiyari.com>



जागु ग्यारस की रातों में,
तेरा ज़िक्र मेरी सब बातों में,
फिर भी वो लकीर नहीं मिटती,
जो खींच दी तूने हाथों में,
मेरे घर की हालत देख श्याम,
कभी आकर तू बरसातों में,
मेरे घर की हालत देख श्याम,
कभी आकर तू बरसातों में IbdI

Singer – Vikas Dua, Anjali Sagar Dua

प्रेषक – निलेश मदनलाल खंडेलवाल ।

धामनगांव रेलवे 9765438728